Surendra kumar Tiwari
Principal

Gulab Bai Yadav College of
Education Borawan, Khargone
(M.P.)

CERTIFICATE

This is to certified that Roohi john have been submitted this dissertation on the topic of " A Co-relational study of mental Health and Job satisfaction of Teachers of special school of Khargone city" for the degree of M.Ed. of Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore .This dissertation is an original work of Roohi john and she has been done all data analysis, herself. The result and the conclusion of the dissertation is entirely original and it does not use for any other degree.

Place – Borawan

Date

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BORAWAN (M.P.) ★

Research Supervision
Dr.surendra kumar tiwari
Principal
Gulab Bai Yadav Of Education Borawan,
Khargone (M.P.)

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)

DECLARATION

I am **Roohi John** declared that I have done the dissertation for the degree of M.Ed. under the supervision of Dr.surendra kumar Tiwari, Principal, Gulab Bai Yadav College of Education Borawan, Khargone (M.P.) On the topic of " **A Co-relational study of mental Health and Job satisfaction of Teachers of special school of Khargone city** " is my own dissertation.

Place : Borawan
Date :-

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BORAWAN (M.P.) ★

Researcher
Roohi John
M.Ed. Student,

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)

पूर्ण सहमत (पू. स.)/सहमत (स)/अनिश्चित (अनि.)/असहमत (अ)/ पूर्ण असहमत (पू. अ.स.)

शिक्षक संतुष्टि स्केल

1.	अध्यापन कार्य से शिक्षक को मानसिक शांति मिलती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
2.	सरकारी विद्यालय में पढाना भी दयनीय है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
3.	अपने कार्य के अनुरूप शिक्षक को सादा जीवन उच्च विचार अपनाना चाहिए।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
4.	कालेज में पढाना स्केल में पढाने से बेहतर है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
5.	शिक्षक राष्ट्र के भाग्य विधाता होते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
6.	शिक्षण एक निम्न स्तर का काम है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
7.	बाजार में कोई मुझे मास्टर जी कहे, यह मुझे पसंद नहीं।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
8.	मैं उस दिन का इंतजार करता हूँ जब मैं स्कूल में पढाना छोड दूंगा।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
9.	शिक्षक की सफलता उसके विद्यार्थियों की सफलता में है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
10.	एक शिक्षक को लोगो को यह बताते हुए गर्व होना चाहिए कि वह एक शिक्षक है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
11.	कुछ वर्ष काम करने के बाद शिक्षण कार्य में	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Mahavidhyalaya ★ BORAWAN (M.P.)

	कोई नवीनता नहीं रहती।					
12.	शिक्षको को उनकी मेहनत का उचित फल नहीं मिलता ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
13.	अधिकतर छात्र अपने शिक्षको का सम्मान करते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
14.	किसी भी व्यक्ति को अपने बच्चो को शिक्षक बनने की सलाह नहीं देनी चाहिए।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
15.	शिक्षण कार्य अन्य व्यवसाय से बेहतर है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
16.	प्रधान अध्यापक एक मित्र की तरह राह नहीं दिखाते।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
17.	मैं शिक्षक बनकर खुश हूँ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
18.	शिक्षक को हर विद्यार्थी की पारिवारिक पृष्ठ भूमि ज्ञात होनी चाहिए।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
19.	शिक्षण एक सम्मान जनक कार्य है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
20.	शिक्षण व्यवसाय ज्ञान के द्वार खोलता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
21.	शिक्षक को उतना ही कार्य करना चाहिए, जितना उसे वेतन मिलता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
22.	जिसे कोई नौकरी नहीं मिलती वह शिक्षक बन जाता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
23.	शिक्षण एक आकर्षण व्यवसाय है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
24.	एक शिक्षक जीवन पर्यन्त कुछ ना कुछ	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BARWANI (M.P.) ★

	सीखता रहता है।					
25.	शिक्षक नीरज जीवन जीता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
26.	उच्च शिक्षक व्यक्ति शिक्षण क्षेत्र में अपना समय व्यर्थ करते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

मानसिक स्वास्थ्य स्केल

1.	दूसरों से बांटने पर दुख कम हो जाते है और खुशियां बढ जाती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
2.	मैं दूसरो की भावनाओं की कद्र करता/करती हूँ	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
3.	भाग्य कभी भी मेरा साथ नहीं देता।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
4.	लोग मुझसे बिना बात जलते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
5.	जिन्दगी एक बोझ है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
6.	मैं जिन्दगी में कुछ नहीं कर पाया/पायी।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
7.	मैं अपने जीवन से संतुष्ठ हूँ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
8.	हमारे भाग्य में जो लिखा है उसे पाने के लिए हमें काम करना पडता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
9.	मुझे अपनी बातो पर अडिग रहने वाला माना जाता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
10.	मनुष्य जीवन दुखो से भरा है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Smriti Shiksha Mahavidhyalaya * BORAWAN (M.P.)

11.	जीवन में सामांजस्य मेरे लिए मृग तृष्णा है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
12.	सादा जीवन उच्च विचार केवल एक नारा है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
13.	लोग मेरी बातो पर ध्यान देते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
14.	मैं अपने कार्य को उलझा देता हूँ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
15.	मेरे जीवन का कोई निश्चित उददेश्य नहीं है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
16.	लोग मेरा साथ नहीं चाहते।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
17.	जीवन वैसा ही होता है, जैसा हम उसे बनाते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
18.	हमारी नाकामयाबी के लिए हमारा भाग्य ही जिम्मेदार है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
19.	मुझे सब एक ईमानदार व्यक्ति की तरह जानते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
20.	मेरे जीवन में सफलातायें असफलताओं से ज्यादा है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
21.	जीवन एक भ्रम है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
22.	दूसरो के साथ अपने विचार बांट्कर हम हंसी बन जातें है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
23.	लोग मुझसे कतराते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BOTWAN (M.P.) ★

24.	लोग मेरा साथ नहीं चाहते।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
25.	लेग मेरी मित्रता नहीं चाहते।					
26.	लोग मुझमें एक अच्छा साथी पाते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
27.	सफलता मुझसे हमेशा दूर रहती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
28.	मैं अपने आसपास के लोगो के प्रति खूद को ऋणी महसूस करता हूॅ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
29.	मेरे मित्र मुझे महत्व देते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
30.	मेरे पास जीवन में खुश होने लायक कुछ नहीं है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
31.	लोगो को समय समय पर सहारे की आव यता होती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
32.	लोग मुझे विश्वास में लेने की आवश्यकता नहीं समझते।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
33.	असफलताऐं हमे जीवन में निराश करती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
34.	मेरे जीवन का कोई लक्ष्य नहीं है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
35.	मुझे सभी लोगो से जुदा माना जाता है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
36.	लोग मुझे अच्छा व्यक्ति मानते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
37.	आप लोगो के लिए कितना ही कर लो वे खुश नहीं होते।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
38.	मुझे जीवन में बहुत कम अच्छे मित्र मिले है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BORAWAN (M.P.)

39.	लोगो पर आमतौर पे विश्वास नहीं किया जा सकता ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
40.	मेरे पास वो नहीं है जो मुझे मिलना चाहिए था।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
41.	आत्मकेन्द्रिक जीवन ही संतुष्ट जीवन है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
42.	जीवन एक सजा के समान है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
43.	जीवन अमूल्य है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
44.	मैं आत्मकेन्द्रिक मनुष्य माना जाता हूॅ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
45.	ऐसा कभ नहीं हुआ के मुझे मेरी मेहनत का फल नहीं मिला हो।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
46.	मैं जीवन में सामान्यजस्य बनाने में असफल हूॅ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
47.	यह जीवन एक बहुत बडा दूर्भाग्य है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
48.	मैं जहां भी जाता हूॅ, मुझे मान्यता मिलती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
49.	संतुष्टि और असंतुष्टि जीवन में साथ-साथ चलते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
50.	मेरे जीवन में कोई उत्साह नहीं है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
51.	उपलब्धियॉ मेहनत करने पर ही हासिल होती है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
52.	मुझे अपनी जीवन शैली पर गर्व है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya

53.	मैं हीन भावना से ग्रस्त हूँ।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
54.	पैसा ही जीवन में सबकुछ है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
55.	मुझे लगता है कि भाग्य मेरा साथ नहीं देता।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
56.	ईश्वर ने मुझ पर बहुत कम कृपा की है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
57.	मैं नम्र व्यक्ति होने का दावा नहीं कर सकता।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.
58.	लोग मेरी सलाह पर वि वास करते है।	पू.स.	स.	अनि.	अ.	पू.अ.

Roohi John

Researcher
Roohi John
M.Ed. Student,

Swa. Gulab Bai Yadav Smriti Shiksha Mahavidhyalaya ★ BORAWAN (M.P.) ★

Prof. S.K. Tiwari
Principal
Swa. Gulab Bai Yadav Smriti
Shiksha Mahavidhyalaya
BORAWAN (M.P.)